HINDI Course A - 002

Space for writing Question Number

खण्ड (क) ⇒ अपठित बोध

1.

(i) (D) I और II ~~✗~~ (A)

(ii) (D)

(iii) (B)

(iv) पक्षी प्रवास में जाने से पहले निम्नलिखित तैयारियाँ करते हैं:-

⇒ अधिक मात्रा में खाना खाते हैं जिससे चर्बी की एक परत जम जाए जो उन्हे लंबे सफ़र के लिए शक्ति प्रदान करेगी।

⇒ कुछ पक्षी झुंड बना कर उड़ने का अभ्यास भी करने लगते हैं।

(v) पक्षियों के लिए प्रवास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके अपने देश की भीषण ठंड से बचाता है। यह उनके जीवित रहने तथा आजीविका चलाने के लिए भी आवश्यक होता है।

Space for writing Question Number

2→

(i) (B)

(ii) (B)

iii) (A)

(iv) कविता का मुख्य उद्देश्य है लोगों को जीवन की छोटी-छोटी बारीकियाँ देखने के लिए प्रेरित करना। ये कवि चाहते हैं कि पाठक अपने आस-पास के लोगों की छोटी-छोटी अच्छाइयाँ देखकर खुश हों तथा अपने जीवन को सकारात्मकता से जीने के लिए प्रेरित हों, वे लोगों को अपनी बुराइयों से नफरत करने के लिए भी कहते हैं।

(v) कवि चाहता है कि वे अपनी कविता में जीवन की छोटी-छोटी अच्छाई-बुराइयों को एक अलग रूप में प्रदर्शित करें, जो लोगों → जिन के मन में जीवन के प्रति सकारात्मकता भर जाए, यह कार्य अवश्य ही बहुत कठिन है परंतु असंभव नहीं, कवि अगर दृढ़ निश्चय कर लें तो समाज में परिवर्तन लाना संभव है।

खण्ड (ख) ⇒ व्यावहारिक व्याकरण

3.

(क) सरल वाक्य

(ख) कि वे भी आत्मकथा लिखें। ⇒ संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(ग) काशी का सांस्कृतिक नगरी के रूप में प्रसिद्ध होना सर्वविदित है,

(घ) शहनाई की मंगल ध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ हैं और वे अस्सी बरस में भी सच्चा सुर माँग रहे हैं।

(ङ) यह भी एक रास्ता है जो बालाजी मंदिर तक जाता है।

4.
(क) दादाजी अब चल नहीं सकते।

(ख) कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाया जाता था।

(ग) उससे चलकर आया गया।

(घ) कर्तृवाच्य

(ङ) कर्मवाच्य

5.
(क) सज्जनों → संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग

(ख) आह! → विस्मयादिबोधक, अव्यय, प्रशंसासूचक

(ग) मनचाहे → विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य - 'पाठ'

(घ) रखना चाहिए → क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, समापिका, वर्तमान काल

(ङ) उन्हें → सर्वनाम, निश्चयवाचक, ~~कर्म कारक~~ आदरसूचक बहुवचन

6.

(क) उपमा अलंकार

(ख) मानवीकरण अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग।
लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग॥

(ङ) आए महंत-वसंत।

writing
on Number

खण्ड -(ग)

7

(i) (D)

(ii) (D)

(iii) ~~(A)~~ ~~(C)~~ (D)

(iv) (A)

(v) (D)

8→
(क) परशुराम जी लक्ष्मण को सहस्रबाहु के प्रसंग के माध्यम से अपने बल और प्रताप के बारे में अवगत कराना चाहते थे, वे लक्ष्मण को बताते हैं कि उन्होंने अपने भयानक फरसे के माध्यम से सहस्रबाहु जैसे शूरवीर और ~~प्राक~~ पराक्रमी राजा का वध कर दिया था, इस प्रकार वे लक्ष्मण को भयभीत करना चाहते थे

जिससे कि लक्ष्मण अपने कटु वचनों को बोलना बंद कर दे,

(ख) वसंत ऋतु के दौरान के दौरान फाल्गुन मास में प्रकृति अपने पूर्ण यौवन में होती है तथा अपने अद्वितीय सौंदर्य की छटा से सबको मोहित कर देती है। चारों ओर रंग बिरंगे फूल इस सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं। प्रकृति में बह रही मंद हवा सबके घर भर देती है। ऐसे मौसम में प्रकृति प्रेमी कवि भी अत्यंत मोहित हो जाते हैं तथा उनका मन किसी भी कार्य में नहीं लगता। उनका हृदय हवा में उड़ने को करता है क्योंकि फाल्गुन की सुंदरता उनके तन-मन में समा नहीं पाती,

(ग) 'यह दंतुरित मुस्कान' में कवि अपनी संतान के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने में इसलिए अक्षम रहे हैं क्योंकि वे बहुत लंबे समय से विदेश में प्रवासी के रूप में रह रहे हैं तथा घर बहुत कम आते हैं, बच्चे का भरण पोषण उसकी माँ ने बहुत ही प्रेम से किया है, वे प्रेम से ~~उन्हें~~ उसे अपनी उँगलियों से मधुपर्क कराती थी। इस ~~कारण~~ कारण कवि ~~मे~~ ने उन्हें बहुत धन्य कहा है।

7.(i) ~~(क)~~ (A)

(ii) ~~(ख)~~ (D)

(iii) ~~(ग)~~ (D)

(iv) (C)

(v) (B)

10.

(क) नवाबी संस्कृति की दो विशेषताएँ :-

⇒ नवाब अत्यंत दिखावटी स्वभाव के होते हैं तथा उनकी सामंतशाही आदतें साफ़ झलकती हैं;

⇒ नवाब स्वयं को सामान्य जन से बड़ा समझते हैं तथा दूसरों से बातचीत करने के लिए उत्सुक नहीं रहते,

⇒ नवाबों का तमीज़, तहज़ीब, अदब और कायदा तो सर्वप्रसिद्ध है,

(ख) एक अच्छे अध्यापक के सभी गुण लेखिका मन्नू भंडारी की हिन्दी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल जी में व्याप्त थे, उन्हीं के समान प्रकार सभी अध्यापकों को अपने शिष्यों को कुछ बड़ा न हासिल करने के लिए प्रेरित करना चाहिए, केवल कक्षा में पढ़ाने के बजाए अध्यापकों को बच्चों के साथ बहसें भी करनी चाहिए जिससे उन्हें पढ़ाई गई चीज़ बारीकी से समझ आए, यही अच्छे अध्यापक के कुछ गुण हैं,

Space for writing Question Number

(ग) निम्नलिखित संदर्भों से पता चलता है कि बालगोबिन भगत कबीर के सच्चे अनुयायी थे:-

⇒ वे समाज में व्याप्त रूढ़ियों का खंडन करते थे।
जैसे→ उन्होंने अपने पुत्र की मुखाग्नि पुत्रवधु द्वारा दिलवाई तथा उसे पुनर्विवाह करने के लिए प्रेरित किया,

⇒ वे सर्वप्रथम अपनी साल की उपज को एक कबीरपंथी मठ पर चढ़ाते थे। वे कबीरपंथियों सी ~~कनफटी~~ कनफटी टोपी पहनते थे तथा कबीर के दोहों को गाते थे।

⇒ वे कबीर के आदर्शों को अपने व्यवहार में उतारते थे।

11.

(क) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ तथा उसके मित्र प्रकृति से अत्यंत गहरा ~~संबं~~ संबंध साझा करते हैं। उनके इस जुड़ाव के बारे में हमें विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से ज्ञात होता है, भोलानाथ तथा उसके मित्र कभी पेड़ो में झूला झूलते तो कभी वर्षा में भीगा करते थे, वे एक चूहे के बिल में भरे हुए पानी को निकाल अपने प्रकृति से जुड़े होने का प्रमाण देते थे,

इसके ठीक विपरीत आज के बच्चे प्रकृति के ज्यादा समीप नहीं आ पाते क्योंकि उन्हें बड़ी ईमारतों और शहरों में रहने की आदत है जहाँ प्रकृति का दूर-दूर तक नामोनिशान नहीं है, वे अपने सामान्य जीवन तथा सोशल मीडिया में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें पर्यावरण के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिलता।

(ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक द्वारा लिखने के लिए प्रेरित होने के अनेक कारण बताए गए हैं। सच्चा लेखक अर्थात कृतिकार अपनी आंतरिक विवशता के कारण लिखता है, लेखक को यह जानने की जिज्ञासा लगी रहती है कि उनकी इस आंतरिक विवशता का मुख्य कारण क्या है। इस कारण को जानने के लिए लेखन अनिवार्य हो जाता है, कुछ अन्य लेखक बाह्य दबावों के कारण भी लिखते हैं जैसे- आर्थिक आवश्यकता, यश लिप्सा, संपादकों के तकाजे, प्रकाशको का आग्रह आदि, ~~लेखक व~~
लेखन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है आंतरिक अनुभूति क्योंकि इसी के कारण लेखक अपनी हृदय की भावनाओं को सजीव करता है, यह लेखन पाठकों को झकझोर कर रख देता है तथा यही सच्चा लेखन होता है।

Space for writing
Question Number

Space for writing Question Number

खण्ड - घ ⇒ रचनात्मक लेखन

सोशल मीडिया : एक धीमा ज़हर

12. (ग)

सोशल मीडिया आज कल मानव जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। आज के ज़माने में बच्चे-बूढ़े, अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित सभी सोशल मीडिया से प्रभावित हैं। बाहरी तौर पर देखा जाए तो सोशल मीडिया के अनेक लाभ हैं जैसे- यह हमारे दूर के रिश्तेदारों तथा दोस्तों से हमें जोड़े रखता है तथा हमें अपनी प्रतिभा को संपूर्ण संसार के समक्ष प्रकट करने में मदद करता है। परंतु जब गहरे तौर पर इसका अध्ययन किया जाए तो इसके अनेक दुष्प्रभाव भी सामने आते हैं, जैसे-लोगों द्वारा हर वक्त घर में बंद रहना, शारीरिक गतिविधियों का कम होना, सोशल मीडिया पर हद से ज्यादा आश्रित हो जाना, युवा पीढ़ी इसके ~~कुछ~~ दुष्प्रभावों से सबसे ज्यादा प्रभावित है। आज के युवाओं को सोशल मीडिया की लत लग चुकी है, वे दिन रात अपने फोन के आगे लगे रहते हैं जिस कारण उनकी ऊर्जा, उत्साह तथा कोई भी कार्य करने की इच्छा कम होती जा रही है। बच्चे सोशल मीडिया देखकर लोगों की खुशहाल जिन्दगी देख स्वयं की ज़िंदगी और अपनी काबिलीयत को कोसते

Space for writing Question Number

रहते हैं जिस कारण उनके मैन में हीन भावना तथा अपने जीवन को दूसरों से अधिक विशिष्ट दिखाने की भावना घर करने लगती है। सोशल मीडिया के कारण लोग अपने आस पास बैठे लोगों से बाते करना बंदकर देते हैं जिस कारण अकेलेपन के शिकार हो जाते है। इस कारण युवाओं में डिप्रेशन जैसी बीमारी भी देखी गई हैं। इस कारण युवाओं को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुक कराना महत्वपूर्ण है।

13(क) परीक्षा भवन
दिल्ली

28 फरवरी 2025

प्रिय माताजी,
सादर चरण स्पर्श
आशा करती हूँ कि आप सब वहा कुशलतापूर्वक होंगे। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ। मेरा आपको यह पत्र लिखने का मुख्य उद्देश्य है ~~कि~~ आपको यह बताना है कि अपने ~~स्वास्थ्य~~ स्वास्थ्य का खयाल रखना कितना महत्वपूर्ण है।
मैं शुरू से ही देखती आई हूँ कि आप सबके प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए अपने स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान नहीं देतीं हैं; ऐसा करना अत्यंत अनुचित है। मैं मानती हूँ कि आप सबसे अत्यधिक प्रेम करती हैं तथा घर के कार्यों को अपनी ज़िम्मेदारी मानती हैं परंतु इस जिम्मेदारी का निर्वाह करने के लिए सर्वप्रथम ~~अपने स्वास्थ्य~~ स्वस्थ रहना ज़रूरी है क्योंकि अस्वस्थ व्यक्ति कोई भी कार्य पूर्ण निष्ठा के साथ नहीं कर पाता, अतः मैं चाहती हूँ कि ~~आप~~ आप काम करने के साथ नियमित रूप से आराम भी करें।

आशा करती हूँ कि आप मेरी बातों पर ध्यान दें। पिताजी को मेरा प्रणाम तथा रोहन को मेरा ~~प्र~~ प्यार देना

आपकी पुत्री
कायरा

Space for writing Question Number

14(क) From: aprklm@gmail.com
To: sbibank@gmail.com
Cc:
Bcc:

विषय : ~~अनजाने अकाउंट~~
दस हज़ार रुपए की राशि का अकारण भुगतान,

महोदय,
सविनय निवेदन इस प्रकार है कि मैं सोनी राय हूँ तथा आपकी बैंक शाखा से मेरा क्रेडिट कार्ड ~~अकाउ~~ जुड़ा हुआ है, कल शाम मेरे मोबाइल में क्रेडिट कार्ड से दस हज़ार रुपए का भुगतान हो जाने का संदेश प्राप्त होता है। मैंने ऐसी कोई भी खरीदारी अथवा भुगतान नहीं किया था, मैंने अपने क्रेडिट कार्ड की समस्त जानकारी ~~संलग्न~~ संलग्न कर दी है। मैं चाहती की अग्रिम कार्रवाइ ~~न~~ होने तक तत्काल प्रभाव से मेरे क्रेडिट कार्ड से होने वाले सभी लेन देन बंद करवा दिए जाए,

आशा करती हूँ कि आप मेरी स्थिति समझते हुए शीघ्र-अतिशीघ्र मेरी समस्या का समाधान करवाएँगे।

भवदीया
सोनी राय

Space for writing Question Number

15.
(क)

शुभकामना संदेश

समय - प्रातः 11 बजे
दिनाँक - 28 फरवरी 2025

प्रिय मित्र रोहन,

लंडन के किंग्स कॉलेज में पूरी छात्रवृति के साथ दाखिला मिलने की तुम्हें हार्दिक ~~बधाई~~ बधाई एवं शुभकामनाएँ, तुम्हारी इस उपलब्धि के बारे में जान कर मैं अत्यंत गौरवांवित हुई, आशा करती हूँ तुम इसी प्रकार अपने जीवन में अनेक सफलताएँ प्राप्त करो। तुम्हारे सुःखद भविष्य की कामना करते हुए।

तुम्हारी मित्र
यामिनी

ace for writing
estion Number